लकड़हारा और वन

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो [PAGE 33]

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (१) | Page 33

संजाल पूर्ण करो :

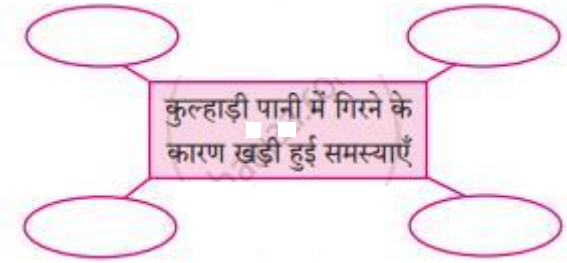

Solution: कुल्हाड़ी पानी में गिरने के कारण खड़ी हुई समस्याएँ :

१. लकड़हारे को गहरे पानी में तैरना नहीं आता था।

२. लकड़हारा लकिड़याँ कैसे काटेगा?

३. लकड़हारा क्या बेचेगा?

४. लकड़हारे के बच्चे क्या खाएँगे?

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (२) १. | Page 33

संक्षेप में उत्तर लिखो :

पेड़ द्वारा दिया गया संदेश

Solution: कभी हरा-भरा पेड़ मत काटो। उन्हें अपने बच्चों के समान पालो।

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (२) २. | Page 33

संक्षेप में उत्तर लिखो :

भगवान की शर्त

Solution: भगवान ने लकड़हारे के सामने यह शर्त रखी कि हरे-भरे पेड़ों को नहीं काटना और न ही लालच में पड़कर जरूरत से अधिक लकड़ी काटना।

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (२) ३. | Page 33

संक्षेप में उत्तर लिखो :

पेड़ों के उपयोग

Solution: पेड़ों से साँस लेने के लिए शुद्ध हवा, पानी, खाने के लिए भोजन, थकान दूर करने के लिए ठंडी छाया आदि प्राप्त होता है।

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (२) ४. | Page 33

संक्षेप में उत्तर लिखो :

पेड़ों की कटाई के दुष्परिणाम

Solution: साँस लेने के लिए शुद्ध हवा नहीं मिलेगी, वन्य पशु बेघर हो जाएँगे, वर्षा नहीं होगी आदि।

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (३) | Page 33

कृति पूर्ण करो :

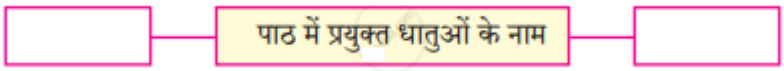

Solution:

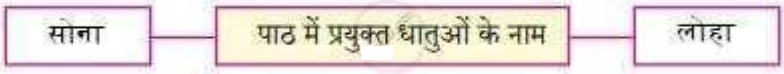

भाषा बिंदु [PAGE 33]

भाषा बिंदु | Q (१) | Page 33

निम्न वृत्त में दिए संज्ञा तथा विशेषण शब्दों को छाँटकर तालिका में उचित स्थानों पर उनके भेद सहित लिखो :

- नदी
- पहाड़ी
- सीता
- वह लकड़हारा
- पानी
- चार किलो
- गरीबी
- ईमानदारी
- गंगा
- पालक
- दस

- चाँदी
- कोई
- सभा
- धनी

संज्ञा	भेद	विशेषण	भेद
———	———	———	———
———	———	———	———
———	———	———	———
———	———	———	———
———	———	———	———
———	———	———	———

Solution:

संज्ञा	भेद	विशेषण	भेद
नदी	जातिवाचक संज्ञा	पहाड़ी	गुणवाचक विशेषण
सीता	व्यक्तिवाचक संज्ञा	वह लकड़हारा	सार्वनामिक विशेषण
पानी	द्रव्यवाचक संज्ञा	चार किलो	निश्चित परिमाणवाचक विशेषण
गरीबी	भाववाचक संज्ञा	दस	निश्चित संख्यावाचक विशेषण
ईमानदारी	भाववाचक संज्ञा	कोई	सार्वनामिक विशेषण
गंगा	व्यक्तिवाचक संज्ञा	धनी	गुणवाचक विशेषण
पालक	व्यक्तिवाचक संज्ञा		
चाँदी	द्रव्यवाचक संज्ञा		
सभा	समूहवाचक संज्ञा		

भाषा बिंदु | Q (२) | Page 33

लकड़हारा और वन इस पाठ में प्रयुक्त कारक विभक्तियाँ ढूँढ़कर उनका वाक्यों में प्रयोग करो।

Solution:

के	राम के भाई दिल्ली गए।
में	कक्षा में कोई नहीं है।
पर	सड़क पर गाड़ियाँ खड़ी हैं।
को	राम को कुत्ते ने काटा।
के लिए	राजेश के लिए तोहफा लाया है।
हे!	हे प्रभु! अपनी कृपा बनाए रखो।
की	मीना की पायल नकली है।
से	पिता जी मोहन से प्रसन्न हैं।
से	हम पणजी से गोवा चले गए।
को	गरीब को भोजन दो।
का	अजय का बस्ता फट गया।

उपयोजित लेखन [PAGE 33]

उपयोजित लेखन | Q (१) | Page 33

किसी मराठी निमंत्रण पत्रिका का रोमन (अंग्रेजी) में लिप्यंतरण करो।

Solution:

मराठी निमंत्रण पत्रिका और उसका रोमन (अंग्रेजी) में लिप्यंतरण निम्नलिखित है:

।।श्री।।

तिलक मार्ग महाराष्ट्र साहित्य परिषदेच्या शेजारी आम्ही एक छोटे कार्यालय उभारले आहे. या कार्यालयाच्या वास्तुशांतीचा समारंभ १६ दिसंबर रोजी आम्ही करणार आहोत. त्या निमित्ताने सत्यनारायणाची पूजा या नव्या कार्यालयात करण्याचे आम्ही योजिले आहे. तरी आपण या दिवशी सायंकाळी ४ ते ७ या वेळात येऊन नव्या कार्यालयास भेट द्यावी व तीर्थप्रसाद घेऊन जावे अशी आमची आग्रहाची विनंती आहे. नव्या कार्यालयासचा पत्ता खाली दिलाच आहे, कळावे.

आपला,
राज शिंदे

पत्ता - वरुण प्रासाद,
१५/बी, तिलक मार्ग
महाराष्ट्र, पुणे.

लिप्यंतरण

|| Shree ||

Tilak Marg Maharashtra Sahitya Parishadechya shejari aamhi ek chhote kaaryaaly ubhaarle aahe. Ya kaaryaalyachya vastushanticha samarambh 16 December roji aamhi karnar aaho. Tya nimittane Satyanarayanachi Puja ya navya karyalayat karnyache aamhi yojile aahe. Tari aapan ya divashi sayankali 4 te 7 ya velat yeun navya karyalayas bhet dyavi va tirthprasad gheun jaave Ashi aamchi aagrahachi vinanti aahe. Navya karyalayacha Patta Khali dila aahe, kalave.

Aapla,
Raj Shinde

Patta - Varun Prasad,
15/B, Tilak marg,
Maharashtra, Pune.

उपयोजित लेखन | Q (२) | Page 33

मैंने समझा

_____

_____

_____

Solution: पेड़ हमारे जीवनदाता हैं। इनसे हमें बहुत सारे फायदे हैं। हमारा जीवन इन्हीं पर अवलंबित है। ये हमें अपना सब कुछ देते हैं और बदले में हमसे कुछ नहीं माँगते। अत: हमें इनकी रक्षा करने में अपना योगदान देना चाहिए तथा अधिक-से-अधिक पेड़ लगाने चाहिए।

स्वयं अध्ययन [PAGE 33]

स्वयं अध्ययन | Q (१) | Page 33

किसानों के सामने आने वाली समस्याओं की जानकारी प्राप्त करके उन समस्याओं को दूर करने हेतु चर्चा करो।

Solution: भारत में कृषि और किसानों की हालत दिनों-दिन खराब होती जा रही है। परिणामस्वरूप अनेक किसान आत्महत्या तक करने को मजबूर हो रहे हैं। भारत में आज भी अधिकतर लोग कृषि पर निर्भर हैं और वे लोग अनेक समस्याओं से जूझते हुए अपना व पूरे देश का पेट भर रहे हैं। भारत सरकार काफी पैसा कृषि से संबंधित सरकारी केंद्रों के संचालन में लगाती है। लेकिन इसका अधिक लाभ किसानों को नहीं मिल पा रहा है। इसका मुख्य कारण भ्रष्टाचार है। इन केंद्रों के अफसर किसानों की समस्याएँ दूर करने के बजाय उन पैसों का उपयोग अपने निजी कार्यों के लिए करते हैं। भारत में आज अधिकतर किसान अशिक्षित हैं, जिसके कारण वे अधिक ब्याजदरों पर बड़े-बड़े साहूकारों से कर्ज लेते हैं और जीवनभर उस कर्ज के बोझ तले दबे रहते हैं। अंतत: उन्हें मजबूरन अपनी जमीन या तो साहूकर को दे देनी पड़ती है या वे मजबूरन आत्महत्या कर लेते हैं। किसानों की समस्याओं को दूर करने के लिए सबसे पहले भारतीय सरकार को किसानों को प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध करानी चाहिए, ताकि वे कर्ज लेते समय लिखा-पढ़ी कर सकें। किसानों को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिले यह सुनिश्चित करना चाहिए। किसानों को कर्ज देने वाली बैंकों की जानकारी किसानों तक पहुँचानी चाहिए, ताकि वे कम ब्याज दरों पर कर्ज लेकर कृषि कर सकें। लघु उद्योगों के बारे में किसानों को जागरूक करना चाहिए। भारत में बहुत से ऐसे लघुउद्योग हैं, जो किसान आसानी से अपने घर में चला सकते हैं, इससे उनको आर्थिक सहायता प्राप्त हो सकेगी। किसानों द्वारा उगाए गए अन्न की सही कीमत उन्हें मिले, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। किसान हमारे अन्नदाता हैं। ये हमें जीवनदान देते हैं, तो हमारा भी कर्तव्य है कि हम इनके जीवन के बारे में सोचें।